B. Minor Fishing Harbours

1. Puthiappa (Kerala)
2. Thangassery (Kerala)
3. Munambam (Kerala)
4. Mopla Bay (Kerala)
5. Chombal (Kerala)
6. Vizhinjam (Kerala)
7. Kayamkulam (Kerala)
8. Chinnamutton (Tamil Nadu)
9. Pondicherry (Pondicherry)
10. Jakhau (Gujarat)
11. Mangrol Stage-II (Gujarat)

Drip Irrigation

4260. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what technological and financial assistance is being provide for drip-irrigation by Central Government, Statewise details ;

(b) whether any assistance is being provided by State Government also; if so, the details thereof; and

(c) whether any estimate as to what quantity of water can be save by this technology has been made; if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) Government of India is implementing a centrally sponsored scheme on "Use of Plastics" in Agricultures which inter alia covers assistance to the farmers for promoting use of drip irrigation for horticulture crops with an outlay of Rs. 200 crores during VIII Plan. The scheme also provides for laying out demonstrations on drip irrigation in governmental & public sector/Trust farms in every State/UT and training of users on handling of different drip system package of practices etc. The state-wise details of the funds released form 90-91 to 93-94 and allocation for 94-95 are given in the enclosed statement *(see* below).

(b) A few States like Maharashtra and UP are supplementing the Central assistance from their own budgetary sources to cover large areas and beneficiaries.

Statement

State-wise details of the funds released during the years 90-91 to 93-94 and allocations made for the year 1994-95 (in lakh rupees)

State	90-91 Actual Release	91-92 Actual Release	92-93 Actual Release	93-94 Actual Release	94-95 Allocation
Maharashtra	7.08	400.00	150.00	595.31	732.00
Tamil Nadu	1.82	100.00	200.00	345.31	382.50
Karnataka	—	50.00	300.00	450.00	505.50
Rajasthan	4.52	74.00	120.00	30.19	69.00
Andhra Pradesh	3.58	130.00	160.00	350.00	468.00
Gujarat	3.93	200.00	400.00	103.12	187.50
Haryana	1.33	5.00	50.00	51.31	45.00
West Bengal	—	5.00	5.00	32.81	68.40
Orissa	0.88	25.00	25.00	112.50	259.50
Punjab	5.25	20.00	80.00	25.88	36.00
Kerala	—	80.00	80.00	93.00	207.00
Himachal Pradesh	—	80.00	80.00	49.12	45.00
Uttar Pradesh	1.83	120.00	125.00	93.19	181.50
Madhya Pradesh	1.83	100.00*	150.00	91.50	123.00
Bihar	0.91	30.00	20.00	43.72	99.00
J & K	—	30.00	30.00	29.44	42.00
Sikkim	—	5.00	5.00	8.59	6.60

State	90-91 Actual Release	91-92 Actual Release	92-93 Actual Release	93-94 Actual Release	94-95 Allocation
Goa	—	5.00	5.00	9.82	6.75
Tripura	—	5.00	5.00	9.71	6.75
Manipur	0.16	5.00	5.00	8.59	6.60
Assam	—	5.00	5.00	16.76	19.80
Meghalaya	—	5.00	5.00	8.59	6.60
Mizoram	—	5.00	5.00	23.13	6.60
Arunachal Pradesh	—	5.00	5.00	8.59	6.60
Nagaland	—	5.00	5.00	8.59	6.60
Pondicherry	—	5.00	5.00	8.59	6.60
Andman and Nicobar Island	—	1.00	5.00	8.59	6.60
Delhi	—	—	5.00	8.59	6.60
Chandigarh	—	—	—	9.70	6.60
Lakshadweep	—	—	5.00	8.59	6.60
Daman Diu	—	—	5.00	8.59	6.60
Dadar & Nagar Haveli	—	—	5.00	8.59	6.60
Total:	33.10	1500.00	2050.00	2660.01	3570.00

(c) It is estimated that the drip irrigation system can save up to 45 to 80% varying from crop to crop and soil type.

उर्वरकों के असंतुलित इस्तेमाल के कारण खाद्यान्नों का कम उत्पादन

4261. **चौधरी हरमोहन सिंह:**
श्री आस मोहम्मद:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उर्वरकों का असंतुलित इस्तेमाल करने के कारण खाद्यान्नों का उत्पादन कम हो गया है;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या प्रयास किये गये हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) और (ख) वर्ष 1992-93 (180.01 मिलियन मीटरी टन) तथा 1993-94 (182.04 मिलियन मीटरी टन) के खाद्यान्न उत्पादन संबंधी आंकड़ों से उर्वरकों के असन्तुलित उपयोग के अनिष्टकारी परिणाम परिलक्षित नहीं होते हैं। बहरहाल, उर्वरकों का लम्बे समय तक असंतुलित प्रयोग करते रहने से खाद्यान्न प्रभावित हो सकता है।

(ग) उर्वरकों से सन्तुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:

(1) फास्फेटयुक्त तथा पोटाशयुक्त उर्वरकों पर रियायत की 1992-93 मे लागू योजना को तब से अब तक जारी रखा गया है।

(2) आठवीं योजना के दौरान उर्वरकों के सन्तुलित तथा एकीकृत उपयोग की एक योजना शुरू की गई है जिसमें रासायनिक पोषकतत्वों के उपयोग के साथ-साथ कार्बनिक स्तर, जैव उर्वरकों और सूष्मपोषक तत्वों के उपयोग के माध्यम से पोषकतत्वों के एकीकृत उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है।

(3) कम खपत वाले तथा वर्षा सिंचित क्षेत्रों में उर्वरक उपयोग के विकास संबंधी राष्ट्रीय परियोजना 1994-95 से शुरू की गई है, जिसके अन्तर्गत हरी खाद तथा एकीकृत पोषकतत्व प्रणाली को बढ़ावा दिया जाता है।

(4) जैव उर्वरकों के उपयोग के विकास संबंधी राष्ट्रीय परियोजना के अंतर्गत जैव उर्वरकों के उत्पादन, वितरण तथा उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है।

(5) उर्वरकों के सन्तुलित उपयोग के संबंध में किसानों को शिक्षित करने के लिए राज्य सरकारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी जाती है।